

Kin of drug overdose victims and residents hold awareness seminar



Relatives of drug overdose victims and residents holding an awareness march at Sarabha Nagar market in Ludhiana on Sunday.

HT Correspondent
ludhiana@hindustantimes.com

LUDHIANA: The family of Abhishek Banerji, who allegedly died due to drug overdose recently, organised a drug-awareness seminar and rally at Kipps Market, Sarabha Nagar, on Sunday.

The family was joined by a few NGOs and other families, who have lost their dear ones because of drugs.

In this event, deceased's parents Dr Arindamkant Banerjee and Dr Madhumita Banerjee discussed that how the families could identify if their children are into drug abuse.

They explained their real experience and said early action and counselling on right time could bring a positive change for sure.

The other present families too discussed their real experiences and told about the fears and

MY AIM IS TO MAKE MORE AND MORE PEOPLE AWARE ABOUT THIS MENACE AND TO TELL THEM, IT'S POSSIBLE TO COME OUT OF THIS TRAP IF INITIATED ON TIME.

Dr ARINDAMKANT BANERJI, deceased Abhishek Banerji's father

the side effects of not initiating any positive steps because of fears.

Aam Aadmi Party leader HS Phoolka also talked about the menace of drugs in Punjab. He said families, friends and society could come as a support for those who really wanted to get out of it. Phoolka said youngsters should devote their time to

creative activities, so that they should not get indulged in this menace.

Dr Deepak Parashar, secretary of the Indian Medical Association, talked about the side effects of drugs on body and mind. He explained how it grips the person, but with that he also showed the path how one can come out of this with strong will power and family support.

Mayor Harcharan Singh Gohalwaria and SAD leader Harish Rai Dhandha were also present on the occasion.

A play was also enacted on the theme, drug de-addiction. It was directed by Dr Sonpal Heera from Raikot. After that a candle march was organised at Sarabha Nagar market.

Dr Banerjee said, "My aim is to make more and more people aware about this menace and to tell them, it's possible to come out of this trap if initiated on time."

ड्रग ओवरडोज से मारे चुकक ची मां ने डीसीपी नितांबरी जगदले से मिलकर बेटे को नशा देने वाली को पकड़ने की मांग की बेटे की शादी में जुटी मां को करनी पड़ी तेरहवीं

कोशिका सिंह, लुधियाना
kausin2@bcoop.in

पूरी एक साल से जुटी है इश्टिमन की मां। वो तो दसको पढ़ी की शैली में जुटी थी। लेकिन अब अपने बच्चे से उम्मीदें टूट चुकी हैं। नशीले से नशा देना वाले को पुलिस अभी तक नहीं पकड़ रही। कई बार चारों तरफ चक्कर लगा चुकी हैं। लेकिन कोई सुधार नहीं आया, ये शब्द ये बच्चे को सुनाते हैं।



बेटे की शादी में जुटी मां को करनी पड़ी तेरहवीं

25 साल के बेटे इश्टिमन को गुना अंतरा दोस से 7 जुलाई को डूब मीत के बाद अपने बेटे की शादी का रस लेना शुरू किया। शादी के दिन उनके बेटे का शव उनके घर के बाहर फेंक दिया गया। नशीले से नशा देना वाले को पुलिस अभी तक नहीं पकड़ रही। कई बार चारों तरफ चक्कर लगा चुकी हैं। लेकिन कोई सुधार नहीं आया, ये शब्द ये बच्चे को सुनाते हैं।

families of children who died of drug addiction organise candlelight vigil



Light protest against drug addiction in Ludhiana on Friday.

Parents of children who died of drug addiction organised a candlelight vigil on Friday. The vigil was held at Sarabha Nagar market. The parents discussed their experiences and the impact of drug addiction on their families.

'सद्भावना बुलेटिन' से नशा रोकने की मुहिम

एडिक्शन साइंस पर इंडिया का पहला रिसर्च जर्नल जल्द होगा शुरू

कोशिका सिंह, लुधियाना



डॉ. अरिंदमकान्त बनर्जी एक नया पत्रिका शुरू कर रहे हैं। इस पत्रिका का नाम 'सद्भावना बुलेटिन' है। यह पत्रिका नशीले से नशा रोकने की मुहिम में मदद करेगी।

नशीले से नशा रोकने की मुहिम

डॉ. अरिंदमकान्त बनर्जी एक नया पत्रिका शुरू कर रहे हैं। इस पत्रिका का नाम 'सद्भावना बुलेटिन' है। यह पत्रिका नशीले से नशा रोकने की मुहिम में मदद करेगी।

पीडित के परिजनों को मिलेगा इंसाफ: डॉ. बेनर्जी

अज्ञान नशीले से नशा रोकने की मुहिम में मदद करेगी।



अज्ञान नशीले से नशा रोकने की मुहिम में मदद करेगी।

मेरी नशे दी लत छुड़ा देओ पर नां ना दसियों

एनए मेलों में सद्भावना फाउंडेशन की ओर से आयोजित एक दिन के नशा मुहुरा अभियान में सहभागी हार हार लोग



एनए मेलों में सद्भावना फाउंडेशन की ओर से आयोजित एक दिन के नशा मुहुरा अभियान में सहभागी हार हार लोग

नशे ने जिसे बर्बाद किया, उसी ने बचाई 1000 जिंदगी

नशीले से नशा रोकने की मुहिम में मदद करेगी।

नशीले से नशा रोकने की मुहिम में मदद करेगी।

नशीले से नशा रोकने की मुहिम में मदद करेगी।

नशीले से नशा रोकने की मुहिम में मदद करेगी।

SADBHAVNA NO DRUG CAMPAIGN

ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਨੇ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ

ਭਾਰਤ ਦੇ 17 ਸੂਬਿਆਂ ਵਿੱਚ ਸਦਭਾਵਨਾ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਅਧੀਨ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਵੱਲੋਂ ਭਾਰਤ ਚਲਾਇਆ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ। ਇਸ ਕੈਂਪ ਦਾ ਮੁੱਖ ਉਦੇਸ਼ ਹੈ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਕੈਂਪ ਦਾ ਮੁੱਖ ਉਦੇਸ਼ ਹੈ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਕੈਂਪ ਦਾ ਮੁੱਖ ਉਦੇਸ਼ ਹੈ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ।



ਕੈਂਪ ਦੌਰਾਨ ਡਾ. ਅਰੁਣ ਮਿੱਤਲਾ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੀ ਟੀਮ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ। ਡਾ. ਅਰੁਣ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਦਾ ਮੁੱਖ ਉਦੇਸ਼ ਹੈ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਕੈਂਪ ਦਾ ਮੁੱਖ ਉਦੇਸ਼ ਹੈ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ।



ਰਾਏਕੋਟ ਗੁਗਾ ਮਾੜੀ ਦੇ ਮੇਲੇ ਮੇਂ ਲਗਾ ਡੀ-ਏਡਿਕਸ਼ਨ ਕੈਂਪ



ਮਾਸਟਰ ਨ੍ਰਿਜ ਕੁਮਾਰ | ਲੁਧਿਆਣਾ

ਰਾਏਕੋਟ ਵਿਖੇ ਗੁਗਾਮਾੜੀ ਦੇ ਮੇਲੇ ਦੇ ਦੌਰਾਨ ਸਦਭਾਵਨਾ ਫਾਊਂਡੇਸ਼ਨ ਦੀ ਡੀ-ਏਡਿਕਸ਼ਨ ਕੈਂਪ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਇਸ ਦੌਰਾਨ 100 ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਲੋਗ ਕੈਂਪ ਵਿੱਚ ਸ਼ਾਮਲ ਹੋਏ। ਮੈਕੇ ਪਰ ਮੀਜੂਦ ਕੈਂਪ ਦੇ ਕਾਰਜਸ਼ੀਲ ਨੇ ਦੂਰ ਦੇ ਗਾਵਾਂ ਦੇ ਆ ਲੋਗਾਂ ਦੀ ਏਡਿਕਸ਼ਨ ਵਿੱਚ ਸਹਾਇਤਾ ਪ੍ਰਦਾਨ ਕੀਤੀ।

ਕੈਂਪ ਦੌਰਾਨ ਡਾ. ਅਰੁਣ ਮਿੱਤਲਾ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੀ ਟੀਮ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ। ਡਾ. ਅਰੁਣ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਦਾ ਮੁੱਖ ਉਦੇਸ਼ ਹੈ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ। ਇਸ ਕੈਂਪ ਦਾ ਮੁੱਖ ਉਦੇਸ਼ ਹੈ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਜਾਵੇ।

DE-ADDICTION SEMINAR RAIKOT





DE-ADDICTION CAMP CHHAPPAR MELA, AHMEDGARH

‘मेरी नशे की लत छुड़ा देओ पर नां ना दसियो’

बचाव छपार मेले में सद्भावना फाउंडेशन की ओर से आयोजित एक दिन के नशा छुड़ाओ कैंप में पहुंचे चार हजार लोग

कौशल सिंह | लुधियाना
kaushal.singh@dbcop.in

‘मेरी नशे की लत छुड़ा देओ पर नां ना दसियो।’ ये शब्द एक पुलिस मुलाजिम के थे। कई साल पहले नशे की चपेट में आ चुका यह एएसआई आज इस मज की दवा मांगने पहुंचा था। वह ऐसा इकलते ड्रग एडिक्ट नहीं था। छपार मेले में सद्भावना फाउंडेशन की ओर से आयोजित एक दिन के नशा छुड़ाओ कैंप के दौरान ही चार हजार से ज्यादा लोग इस कैंप में नशे से बचने के उपाय पढ़ने पहुंचे।

पंजाब के सबसे बड़े मेलों में शुमार छपार मेले में यूं तो गुगा पार की समाधि पर माय टेकन के लिए भीड़ उमड़ती है। लेकिन कुछ लोग मुंह छिपाते और कुल नाम छिपाते डी-एडिक्शन कैंप के बाहर



कैंप में 90 फीसदी से ज्यादा एडिक्ट खुद ही नशे का इलाज करवाने पहुंचे।

लाइनों में आ खड़े हुए तो समझते देर न लगी कि पूरी जमात ही नशे की जद में आ चुकी है। सबसे बड़ी

बात यह थी कि 90 फीसदी से ज्यादा एडिक्ट खुद ही कैंप में नशे का इलाज करवाने पहुंचे।

256 एडिक्ट्स की रजिस्ट्रेशन

कैंप में पहुंचे कुछ लोग शराब के अदी हो चुके हैं तो कुछ भुक्की, जेडे, टेरेइन, स्मोक और नशीले कैप्सूल के एडिक्ट हो चुके हैं। इस मौके पर ही 256 एडिक्ट्स ने इलाज के लिए रजिस्ट्रेशन करवाई। जबकि 142 एडिक्ट्स और दर्जनों अन्य लोग मौके पर ही काउंसलिंग के लिए पहुंचे।

कैंप के दौरान नशे के खिलाफ हमारी मुहिम को अच्छा रिस्पॉन्स मिला। दर्जनों ऐसे लोग आए जो अपना इलाज करवाने में असमर्थ थे। हमारा मकसद ऐसे लोगों की सही काउंसलिंग और इलाज के जरिए उन्हें नशे से दूर करना है।

-डॉ. अरिंदम बनर्जी

कैंप में पहुंचे 11 पुलिस मुलाजिम

कुछ पुलिस मुलाजिम वहीं में पहुंचे तो कुछ बगैर वहीं। बर्द सबका एक था, सभी नशे के शिकार हो चुके थे। नशे की तलब बुरी है, इस बात का पता सबको चल चुका था। लेकिन नशे के तलबगार हुए सालों बीत गए तो इनसे छेड़ें केने, यह बताने वाला कोई मद्दगार ही नहीं मिला। कैंप के दौरान 11 मुलाजिम नशे से बचने के उपाय पढ़ने पहुंचे। लेकिन शर्त सबकी एक थी, नाम जाहिर न किया जाए। इस मौके पर एएसएस छोटपुर, फरीदगढ़ साहिब के आप सांसद हरद्विंदर सिंह खालसा और एएसएस फूलका लोहो से रू-व-रू हुए और उनसे नशे से बचने की सलाह दी।



सद्भावना सुसाइटी जलालदीवाल दल्ले नशियां खिलाफ जागरूकता मुहिम

राष्ट्रक, 11 सत्रवार (बलविंदर सिंघ लिंडर)-सद्भावना सुसाइटी जलालदीवाल (राष्ट्रक) दल्ले मेले छपार नुं समरपिड पंजाब दे पंडू लोकां 'च वॉप रठे नशियां पृती जागरूकता उे सलाह मुहिम चलायी गयी। इस मुहिम दल निसन लोकां नुं नशियां पृती जागरूक करनल, लंडवेदल नुं सलाह पुरान करनल अउ नैसबान पीडी नुं नशियां दी दलदल 'च बघर कंडेता है। इस उिदेष दी पुरडी लडी लोकां नुं सलाह मसबरा अउ परचे वंडे गये। इस मके डारिबरेकर डल: मपु मीडा

बेनरनी अउ डल: ए.के. बेनरनी नुं नशियां उे मुक्ती दिवाउिड 'च परिबल, समस उे देसडां दे डेल दी मरिउता उिपर चानड पारिआ। इस देरान अंडवेकर अंड अंड. डूलका, अंड.पी. हरिंदर सिंघ खालसा उे सुंचा सिंघ डोटपुर नुं पहुंचे के लोकां नुं नशियां उे बघर लडी पुरिआ। इस मुहिम दे लडी बकील रभन, उरनपीउ बदी, गंडम रिशी अउे समु सद्भावना दी टीम नुं इस मुहिम नुं सद्भावनापुरवक नुं पर चडाउिड लडी बगरान पारिआ।



DE-ADDICTION CAMP GUGGA MAHRI, RAIKOT



DE-ADDICTION CAMP JALANDHAR



DE-ADDICTION SEMINAR S.A.S. JAIN SCHOOL, LUDHIANA



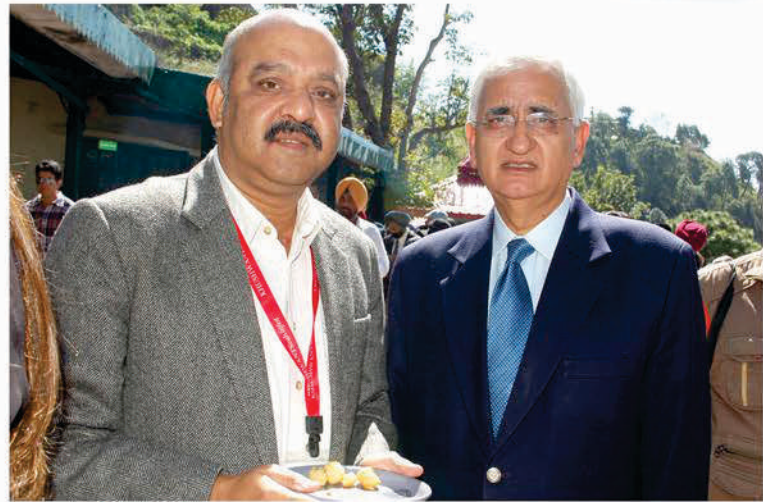
DE-ADDICTION SEMINAR BHAGAT SINGH NAGAR



HONOURS



DE-ADDICTION SEMINAR KASALI CLUB, KASALI (HP)



DE-ADDICTION CAMPAT JAGRAON



ਲਾਲਾ ਲਾਜਪਤ ਰਾਏ ਦੇ 86ਵੇਂ ਬਲੀਦਾਨ ਦਿਵਸ 'ਤੇ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਵੱਲੋਂ ਲਾਏ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਦੀ ਤਸਵੀਰ। ਤਸਵੀਰ: ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਲਿੱਤਰ

DE-ADDICTION LECTURE TOUR GUJRAT



SWATCHH BHARAT ABHIYAN JALALDIWAL (RAIKOT)



DUSTBIN DECORATION COMPETITION SWATCH BHARAT ABHIYAAN



MEDICAL CAMP RAIKOT



ਮੈਡੀਕਲ ਕੈਂਪ ਦੌਰਾਨ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਡਾਕਟਰ।
ਤਸਵੀਰ : ਲਿੱਤਰ

ਸਦਭਾਵਨਾ ਮਾਡਰਨ ਸਕੂਲ ਵਿਖੇ ਮੈਡੀਕਲ ਕੈਂਪ

ਰਾਏਕੋਟ, 26 ਫਰਵਰੀ (ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਲਿੱਤਰ)- ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਅਧੀਨ ਸੋਚਾਰੂ ਢੰਗ ਨਾਲ ਚੱਲ ਰਹੇ ਸਦਭਾਵਨਾ ਮਾਡਰਨ ਸੀਨੀਅਰ ਸੈਕੰਡਰੀ ਸਕੂਲ ਰਾਏਕੋਟ ਵਿਖੇ ਸਦਭਾਵਨਾ ਹਸਪਤਾਲ ਵੱਲੋਂ ਮੈਡੀਕਲ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ, ਜਿਸ ਦੌਰਾਨ ਡਾ. ਏ. ਕੇ. ਬੈਨਰਜੀ ਤੇ ਡਾ. ਮਧੁਜੀਤਾ ਬੈਨਰਜੀ ਨੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਸਿਹਤ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕੀਤੀ, ਜਿਸ ਦੌਰਾਨ ਸਦਭਾਵਨਾ ਨਰਸਿੰਗ ਕਾਲਜ ਦੇ ਮੈਡਮ ਰੋਹਿਨੀ ਸਿੰਘ, ਮੈਡਮ ਸੁਖਮੀਤ ਕੌਰ, ਮੈਡਮ ਏਕਜੋਤ ਕੌਰ ਵੀ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ। ਇਸ ਕੈਂਪ ਦੌਰਾਨ ਸਦਭਾਵਨਾ ਮਾਡਰਨ ਸਕੂਲ ਦੇ ਅਧਿਆਪਕ ਬਹੁਤ ਉਤਸ਼ਾਹਿਤ ਸਨ ਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਬੱਚਿਆਂ ਦੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਨੂੰ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਮਾਤਾ-ਪਿਤਾ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਰੱਖਿਆ, ਤੇ ਸਾਰੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਜਾਂਚ ਕਰਨ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਸਾਰੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸਿਹਤਮੰਦ ਪਾਏ ਗਏ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਮੈਡਮ ਸੁਨੀਤਾ ਤੇ ਮੈਡਮ ਨੀਰਜਾ ਕੁਠਿਆਲਾ ਵੀ ਹਾਜ਼ਰ ਸਨ।



ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਨੇ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਲਗਾਇਆ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ

ਰਾਕਮ ਸਿੰਘ ਖਾਲੀਵਾਲ, ਰਾਏਕੋਟ

ਹੋਲੇ-ਮਹੱਲੇ ਦੇ ਪੂਰਬ 'ਤੇ ਸਦਭਾਵਨਾ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੀ ਟੀਮ ਮਹਾਵੀਰ ਮਨਜੋਤ ਸਿੰਘ ਸੇਖੋਂ, ਦਿਵੇਸ਼ ਵਰਮਾ, ਕੁਲਦੀਪ ਕੌਰ, ਇਕਜੋਤ ਕੌਰ ਵੱਲੋਂ ਸ੍ਰੀ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ।

ਇਸ ਮੌਕੇ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੀ ਟੀਮ ਨੇ ਨਸ਼ੇ 'ਚ ਗ੍ਰਸਤ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕੀਤੀ।

ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ੇ ਦੇ ਖ਼ੁਬੇ ਪ੍ਰਭਾਵਾਂ ਤੇ ਨਸ਼ਾ ਕਰ ਰਹੇ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਲੱਛਣਾਂ ਬਾਰੇ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਇਆ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ੇ ਦੀ ਇਸ ਜ਼ਨਲੇਵਾ ਲਾਜ਼ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ। ਇਸ ਮੁਹਿੰਮ ਦੌਰਾਨ ਵੱਖ ਵੱਖ ਨਸ਼ੇ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਪਰਚੇ ਵੀ ਵੰਡੇ ਗਏ ਤਾਂ ਕਿ ਇਹ ਜਾਣਕਾਰੀ ਹਰ ਘਰ ਤੱਕ ਪਹੁੰਚਾਈ ਜਾ ਸਕੇ ਅਤੇ ਵੱਧ ਤੋਂ ਵੱਧ ਪਰਿਵਾਰ ਇਸਦਾ ਲਾਭ ਉਠਾ ਸਕਣ ਅਤੇ ਆਪਣੇ ਬੱਚਿਆਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ੇ ਤੋਂ ਬਚਾ ਸਕਣ।



ਸ੍ਰੀ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ ਲਗਾਏ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਦੌਰਾਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਦੇ ਵਾਲੰਟੀਅਰ।



ਸ੍ਰੀ ਆਨੰਦਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਵਿਖੇ ਲਗਾਏ ਗਏ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਦੌਰਾਨ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਜਾਗਰੂਕ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਵਾਲੰਟੀਅਰ। ਤਸਵੀਰ : ਬਲਵਿੰਦਰ ਸਿੰਘ ਲਿੱਤਰ



ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਨੇ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ

ਰਾਏਕੋਟ, 17 ਮਾਰਚ (ਭੱਲਾ)- ਸਦਭਾਵਨਾ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਮੁਹਿੰਮ ਤਹਿਤ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਵਲੋਂ ਰਾਹੋਂ ਰੋਡ ਲੁਧਿਆਣਾ ਵਿਖੇ ਨਸ਼ਾ ਛੁਡਾਉ ਕੈਂਪ ਲਗਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਕੈਂਪ ਦਾ ਆਯੋਜਨ ਡਾ. ਅਰੁਣ ਮਿੱਤਰਾ ਵਲੋਂ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਕੈਂਪ ਦੌਰਾਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੀ ਟੀਮ ਗੁਰਸ਼ਰਨ ਸਿੰਘ, ਪ੍ਰਭਜੋਤ ਸਿੰਘ, ਮਨਪੀਤ ਕੌਰ, ਰਮਨੀਕ ਕੌਰ, ਸੁਖਜੀਤ ਕੌਰ ਤੇ ਲਭਦੀਪ ਕੌਰ ਨੂੰ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸ਼ਾਮਲ ਕੀਤਾ ਗਿਆ ਤਾਂ ਜੋ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ੇ ਦੇ ਵੱਧ ਰਹੇ ਭਠਾਨੇ ਅਤੇ ਇਸਦੇ ਮਾੜੇ ਪ੍ਰਭਾਵਾਂ ਬਾਰੇ ਜਾਗਰੂਕ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕੇ। ਕੈਂਪ ਦੌਰਾਨ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੀ ਟੀਮ ਵਲੋਂ ਨਸ਼ੇ ਨਾਲ ਗ੍ਰਸਤ ਲੋਕਾਂ ਨਾਲ ਗੱਲਬਾਤ ਕੀਤੀ ਗਈ ਅਤੇ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ੇ ਦੇ ਮਾੜੇ ਪ੍ਰਭਾਵਾਂ



ਕੈਂਪ ਦੌਰਾਨ ਡਾ. ਅਰੁਣ ਮਿੱਤਰਾ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੀ ਟੀਮ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ। (ਕੋਰ) ਅਤੇ ਨਸ਼ਾ ਕਰ ਰਹੇ ਵਿਅਕਤੀ ਦੇ ਲੱਛਣਾਂ ਬਾਰੇ ਜਾਣੂ ਕਰਵਾਇਆ ਗਿਆ। ਇਸ ਮੌਕੇ ਸਦਭਾਵਨਾ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੇ ਡਾਇਰੈਕਟਰ ਡਾ. ਏ. ਕੇ. ਬੇਨਰਜੀ ਵਲੋਂ ਵੀ ਇਸ ਜ਼ਨਲੇਵਾ ਲਾਜ਼ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਲੋਕਾਂ ਨੂੰ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਕੈਂਪ ਦੇ ਮੁੱਖ ਮਹਿਮਾਨ ਵਜੋਂ ਤਰਸੇਮ ਸਿੰਘ ਭਿੰਡਰ ਪ੍ਰਧਾਨ ਯੂਥ ਅਕਾਦਮੀ ਦਲ ਮਾਲਵਾ ਜੇਠ 3 ਵਲੋਂ ਵੀ ਹਾਜ਼ਰੀ ਲਗਵਾਈ ਗਈ। ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਲੋਂ ਵੀ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ੇ ਦੇ ਮਾੜੇ ਪ੍ਰਭਾਵਾਂ ਬਾਰੇ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ। ਸੁਸਾਇਟੀ ਵਲੋਂ ਨੌਜਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਨਸ਼ੇ ਦੀ ਦਲਦਲ 'ਚੋਂ ਕੱਢਣ ਲਈ ਪਰਚੇ ਵੀ ਵੰਡੇ ਗਏ। ਅਖੀਰ ਵਿਚ ਡਾ. ਅਰੁਣ ਮਿੱਤਰਾ ਵਲੋਂ ਸੁਸਾਇਟੀ ਦੇ ਮੈਂਬਰਾਂ ਨੂੰ ਸਨਮਾਨ ਚਿੱਠੀ ਦੇ ਕੇ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕੀਤਾ ਗਿਆ।



A Descriptive Survey of Death Anxiety (DA = Thanatophobia) Among Young Drug Addicts In Relation To Their Education and Locale

¹Ms. Sukhwinder Kaur, MA, MEd, NET,
²Dr. Arindam Kanta Banerjee, Prof. MBBS, MS (Surgery),
³Neha Rani, MA, MEd

¹Asst. Prof. (MEd section), Sadbhavna College of Education for Women, Raikot 141109, Punjab, India
²Project Director, Sadbhavna Center for Addiction Science & Mental Health Research
³Researcher, Sadbhavna College of Education for Women, Raikot 141109, Punjab, India

Abstract: The current descriptive sample survey explored the impact of education and locale (rural / urban) on drug anxiety (DA = Thanatophobia) among drug addicts. Although Drug Addicts are known to exhibit higher DA level than general population, this research concluded that DA level among drug addicts are independent of their educational attainment or locale.

Keywords: Drug Addiction, Death Anxiety, Thanatophobia, Education, Locale

Child Labour; The Indian Scenario – A Brief Communication

Dr. Arindam Kanta Banerjee, Parampreet Kaur, Kuldeep Kaur, Manjot Singh
Director, Sadbhavna College of Nursing, VIII, Jalalidwal, Raikot, Dist. Ludhiana, Punjab
¹Lecturer, Sadbhavna College of Nursing, Raikot, Ludhiana, Punjab

Abstract

A Child is defined as a every human being below the age of 18 years. Human rights begin with child rights. These rights are : 1. Subsistence rights 2. Development rights 3. Protection rights 4. Participation rights. But, in India, many of these feeble hands, instead of carrying books are often bruise in factories of pan, bidi, cigarettes (21%), construction (17%), domestic workers (15%), spinning & weaving (11%), apart from brick kilns (7%) dhabas (6%) auto workers (4%), paddy-fields and football making etc. Punjab has an alarmingly low under-5 sex ratio(846:1000) and the lowest sex ratio at birth(832:1000). It also has 1,77,268 child laborers. Among all reported feticides, 56% are registered in Madhya Pradesh, Chattisgarh and Punjab. Crime against children saw a 24% increase; from 26,694 cases in 2010 to 33,098 cases in 2011. Rape cases increased by 30%. Feticide by 19% while buying of girls for prostitution declined by 65%. There is an increase of 10.5% in juvenile crimes from 2010(22,740) to 2011(25,125). As a result of such forced labor, children are often subjected to malnutrition, impaired vision, deformities and easy victims of deadly diseases like Tb, Cancer and AIDS.

Key Words

Child Labor, Child Rights, India, Crime against Children, Juvenile Crimes.



SCHOLARLINK RESEARCH INSTITUTE
www.scholarlinkresearch.com

16th March, 2015

PSYCHO-SOCIAL PROBLEMS AND COPING OF WOMEN WITH ALCOHOLIC SPOUSES IN RURAL MALWA AREA, DIST. LUDHIANA, PUNJAB – A PILOT STUDY

Prof. Dr. Arindam Kanta Banerjee, MBBS, MS*
*Director, Sadbhavna Centre of Addiction Science & Mental Health Research
Ms. Ramneek Kaur, BSc (N)**
Ms. Manpreet Kaur, BSc (N)**
** Lecturer, Sadbhavna College of Nursing, Raikot 141109, Ludhiana, Punjab, India

Contact Author
Prof. Dr. Arindam Kanta Banerjee, MBBS, MS
Sadbhavna Centre of Addiction Science & Mental Health Research, Raikot 141109, Dist. Ludhiana, Punjab,
India
09878055066, 09316633561, sadbhavnasociety@yahoo.com

Brief Biography of Authors

Dr. AK Banerjee
Qualification MBBS, MS (Surgery)
Vocation Professor, dept. of Surgery, RKDF Medical College & Hospital, Bhopal, MP, India
Total Publications 18
Enterprise Sadbhavna Hospital, Raikot
Sadbhavna Centre of Addiction Science & Mental Health Research
Sadbhavna College of Education for Women, Raikot
Sadbhavna College of Management & Technology
Sadbhavna College of Nursing
Sadbhavna Publications
Contact No. 9878055066, 9316633561, sadbhavnasociety@yahoo.com

The Wondering Monk – His Concept of ‘Spiritual Education for Conflict-Resolution’

Prof. Dr. Arindam Kanta Banerjee, MBBS, MS* Prof. Dr. Madhu Meeta, MBBS, MD**

*Director, Sadbhavna College of Education for Women, Raikot, Punjab, India
Prof. Dept. of Surgery, RKDF Medical College & Hospital, Bhopal, MP, India
**Director, Sadbhavna Center for Addiction Science & Mental Health Research, Raikot, Punjab, India

Abstract: The conventional explosion of information without commensurate wisdom, and ignorance prevent us stepped with compassion, tolerance, ethics or family that make today's education a potential source of disaster. Today a merey abundance of information is more encouraged than cultured learners. Swami Vivekananda (12.10.1863-02.07.1902) was an Indian social reformer with an India-centric global vision. He amalgamated Western Humanism the ideas of personal liberty, social equality, justice and respect for women with Indian spirit. His vision of education are rooted in traditional Indian philosophy that nurtures the ideals of harmony, compassion, tolerance and peace. For him, religion and spirituality was the core of education. It makes spiritual the highest and noblest pursuit – the pursuit of supreme emancipation, supreme knowledge, and supreme bliss. Today, the degradation of man has been going on since, as witnessed by the prominent features in Indian society: immorality, violence, religious conflict, riots, abduction, crime etc. Vivekananda's teachings of 'spiritual diversity' of the soul diverse human relationships. It makes the 'earth living and being all life. His concept of purity, perfection, and common origin of every soul from religion from all – a lot of enlightenment, inspiration, and wisdom. (Keywords: 12.10.1863 - 02.07.1902)

Prof. Dr. Arindam Kanta Banerjee
Director, Sadbhavna College of Education for Women, Raikot, Punjab, India
Prof., Dept of Surgery, RKDF Medical College & Hospital, Bhopal, MP, India


Prof. Dr. Madhu Meeta
Director,
Sadbhavna Center for Addiction Science & Mental Health Research,
Raikot, Punjab, India.

Subject: ACCEPTANCE LETTER

We are pleased to inform you that the below mentioned manuscript has been accepted for publication in the February 2015 Edition as research paper in Journal of Emerging Trends in Educational Research and Policy Studies (JETERAPS) on the recommendation of the reviewers. The article's details are given below.


Title: THE WONDROUS MONK – EDUCATION FOR SOCIAL JUSTICE*

Chief Editor



Dr. A.K. Banerjee, Prof. MBBS, MS

Dr. AK Banerjee is a surgeon by vocation, professor in surgery by profession, educational entrepreneur by choice, and author by hobby. He has more than 30 research publications and books to his credit. Dr. Banerjee is the founder president of Sadbhavna Group; a socially-conscious NGO that is proactive in Health-Care, Education & Organized Rural Development. Dr. Banerjee is bestowed with awards from different fora. He is Editor-in-Chief of few media & research publications and is in the advisory board of many research journals. He is member of International Society of Addiction Medicine, Canadian Society of Addiction Medicine, and also various international bodies.



Sadbhavna College of Education for Women


"We create Human Capital" is the guiding principle of Sadbhavna College of Education for Women Raikot, a premier teacher-education institution of Punjab. Established in 2006, it conducts a Collegiate School, Diploma (DEEd), Bachelor (BEEd), Masters (MEd) courses as well as a dedicated Research Cell. Sadbhavna College is recognized by NCTE, affiliated by Panjab University, accredited by NAAC and enlisted in UGC 2 (f). It is the torchbearer of women-education and community development. Sadbhavna College has a Publication Division that publishes Journals, Textbooks, Reference Books, Teaching Materials and Anthologies. The present offering is a 4-volume enlightening collection of essays on various facets of prominent modern Indian Educational Thinkers. It is targeted to an audience of students, teachers, educators, and commonfolk as well.

Gurur Book Depot Publications
Main Road, Gurur, Sadhar, Ludhiana (Pb.) INDIA
Mob: 98141-33706, Email: nikkubd@gmail.com

ISBN NO.

SADBHAVNA

An Anthology of
Modern Indian Educational Thinkers
(Volume 1)



Internal Quality Assurance Cell
Sadbhavna College of Education for Women
Raikot 141109, Dist. Ludhiana, Punjab, India

International Journal of Educational Research and Development Vol. 3(3), pp. xxx-xxx, October 2014
 Available online at <http://www.academeresearchjournals.org/journal/ijerd>
 ISSN 2327-316X ©2014 Academe Research Journals

Full Length Research Paper

Educational philosophy of Swami Vivekananda

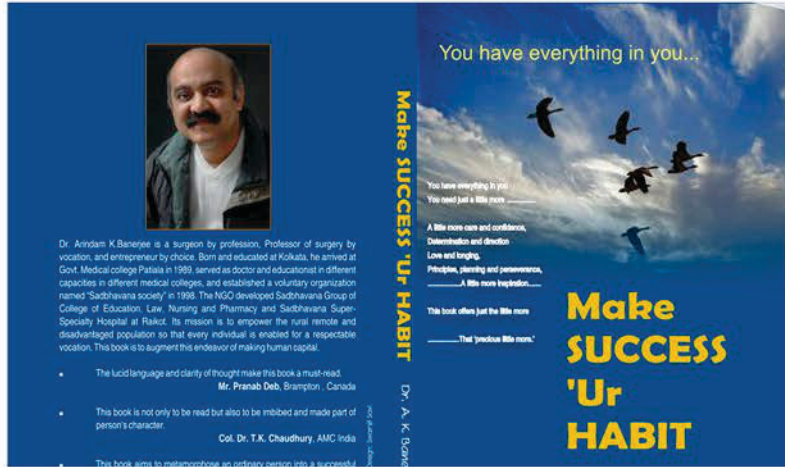
Arindam Kanta Banerjee^{1*} and Madhu Meeta²

¹Sadbhavana College of Education for Women, Raikot, Punjab, India.

²Sadbhavana Center for Addiction Science and Mental Health Research, Raikot, Punjab, India.

Accepted 25 March, 2015

Oxford Dictionary defines education as the process of receiving or giving systemic information, especially at a school, college or university. Dictionary.com defines education as the act or process of imparting or acquiring general knowledge, developing the powers of reasoning and judgment, and generally of preparing oneself or others intellectually for mature life. Swami Vivekananda was an Indian Monk, who toured almost the whole world but whose philosophy was deeply rooted in ancient Indian wisdom where education is acquired from spiritual life. For him, education was enlightenment. Teacher was the person who dispels darkness of evils. "Acharya (Headmaster) was a person who provides exemplary leadership by conducting himself. Education system was to take care of complete health, that is, physical, mental, social and spiritual well-being with a core of ethics and morality. He devised



The International Journal Of Humanities & Social Studies (ISSN 2321 - 9203) | www.theijhss.com

THE INTERNATIONAL JOURNAL OF HUMANITIES & SOCIAL STUDIES

Child Labour; the Indian Scenario – A Brief Communication

Dr. Arindam Kanta Banerjee

Professor, Department of Surgery, RKDF Medical Col. & Hosp., Bhopal, MP
 Director, Sadbhavana College of Nursing, Jalandhwal, Raikot, Ludhiana, Punjab, India

Parampreet Kaur

Lecturer, Sadbhavana College of Nursing, Raikot, Ludhiana, Punjab, India

Kuldeep Kaur

Lecturer, Sadbhavana College of Nursing, Raikot, Ludhiana, Punjab, India

Manjot Singh

Lecturer, Sadbhavana College of Nursing, Raikot, Ludhiana, Punjab, India

Abstract:

A Child is defined as a every human being below the age of 18 years. Human rights begin with child rights. These rights are : 1. Subsistence rights 2. Development rights 3. Protection rights 4. Participation rights. But, in India, many of these feeble hands, instead of carrying books are often bruise in factories of pan, bidi, cigarettes (21%), construction (17%), domestic workers (15%), spinning & weaving (11%), apart from brick kilns (7%) dhabas (6%) auto workers (4%), paddy-fields and football making etc. Punjab has an alarmingly low under-5 sex ratio(846:1000) and the lowest sex ratio at birth(832:1000). It also has 1,77,268 child laborers. Among all reported feticides, 56% are registered in Madhya Pradesh, Chattisgarh and

International Journal of Educational Research and Development Vol. 3(3), pp. xxx-xxx, October 2014
 Available online at <http://www.academeresearchjournals.org/journal/ijerd>
 ISSN 2327-316X ©2014 Academe Research Journals

Full Length Research Paper

Educational philosophy of Swami Vivekananda

Arindam Kanta Banerjee^{1*} and Madhu Meeta²

¹Sadbhavana College of Education for Women, Raikot, Punjab, India.

²Sadbhavana Center for Addiction Science and Mental Health Research, Raikot, Punjab, India.

Accepted 25 March, 2015

Oxford Dictionary defines education as the process of receiving or giving systemic information, especially at a school, college or university. Dictionary.com defines education as the act or process of imparting or acquiring general knowledge, developing the powers of reasoning and judgment, and generally of preparing oneself or others intellectually for mature life. Swami Vivekananda was an Indian Monk, who toured almost the whole world but whose philosophy was deeply rooted in ancient Indian wisdom where education is acquired from spiritual life. For him, education was enlightenment. Teacher was the person who dispels darkness of evils. "Acharya (Headmaster) was a person who provides exemplary leadership by conducting himself. Education system was to take care of complete health, that is, physical, mental, social and spiritual well-being with a core of ethics and morality. He devised

ਰਾਯਕੋਟ ਗੁਗਾ ਮਾਡੀ ਕੇ ਮੇਲੇ ਮੇਂ ਲਗਾ ਡੀ-ਏਡਿਕਸ਼ਨ ਕੈਂਪ

ਸਦਭਾਵਨਾ ਸਮੂਹ ਕਰ ਰਹਾ ਨਸ਼ਾ ਦੂਰ ਕਰਨੇ ਕਾ ਪ੍ਰਯਾਸ

ਕਾਲਜਿਸ਼ ਰਾਏਕੋਟ ਵਿਖੇ ਸੈਸ਼ਨ ਦੀ ਸ਼ੁਰੂਆਤ ਕਰਦੇ ਹੋਏ ਪ੍ਰੋ. ਡਾ. ਰਸਬੀਰ ਲਿੱਤਰ

ਕਾਲਜਿਸ਼ ਦੇ ਨਵੇਂ ਸੈਸ਼ਨ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਵਾਇਆ